BUSINESS STANDARD N.D 5/5/18

फिलिप्स कार्बन बढ़ाएगी क्षमता

अगले दो साल में उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर 9 अरब रुपये का निवेश करेगी कंपनी

अभिषेक रक्षित
कोलकाता, 4 मई

कार्बन ब्लैक का उत्पादन करने वाली देश की एकमात्र कंपनी फिलिप्स कार्बन ब्लैक (पीसीबीएल) ने बढ़ती मांग के मद्देनजर अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कंपनी 4.7 लाख टन की अपनी मौजूदा क्षमता को अगले दो साल में बढ़ाकर 7 लाख टन करने की तैयारी कर रही है। इस पर कंपनी 9 अरब रुपये का निवेश करेगी जिसकी व्यवस्था आंतरिक संसाधनों और डेट-इक्विटी के जरिये की जाएगी।

पीसीबीएल तमिलनाडु के एन्नोर में 6 अरब रुपये के निवेश से 60 एकड़ क्षेत्र में एक नया संयंत्र भी स्थापित कर रही है जिसकी उत्पादन क्षमता 1.5 लाख टन होगी। इस संयंत्र के 2020 तक चालू होने की उम्मीद है।

आरपी संजीव गोयनका समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका ने कहा, 'पहले हम करीब 26,000 टन प्रति महीने कार्बन ब्लैक की बिक्री करते थे लेकिन अब बिक्री का आंकड़ा 36,000 टन प्रति महीने तक पहुंच चुका है। बिक्री को मुख्य तौर पर टायर श्रेणी से बल मिल रहा है। तमाम टायर विनिर्माता तमिलनाडु में पहले से ही मौजूद हैं और उनकी उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में वहां एक संयंत्र स्थापित करना हमारे लिए बिल्कुल तार्किक है।'

पीसीबीएल आरपी संजीव गोयनका समूह की कंपनी है।

कंपनी गुजरात के अपने मुंद्रा संयंत्र की क्षमता में इसी साल दिसंबर तक 50,000 टन के विस्तार की तैयारी कर रही है। जबकि गुजरात के ही पालेज संयंत्र की क्षमता में मार्च 2019 तक 30,000 टन तक विस्तार किया जाएगा। गुजरात ऐसा दूसरा राज्य है जहां वाहन विनिर्माताओं की दमदार मौजूदगी है। फिलहाल मुंद्रा संयंत्र की स्थापित क्षमता 1.4 लाख टन है जबकि पालेज संयंत्र सालाना 95,000 टन तक उत्पादन कर सकता है। उधर, केरल के कोच्चि संयंत्र और पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर संयंत्र में कंपनी कोई क्षमता विस्तार नहीं करेगी।

रबर उद्योग में कार्बन ब्लैक की किल्लत होने के बावजूद पीसीबीएल अपने 23 से 24 फीसदी उत्पादन का निर्यात करती है। कार्बन ब्लैक टायर एवं अन्य रबर उत्पादों के लिए एक आवश्यक कच्चा माल है। गोयनका ने कहा कि विदेशी खरीदारों के साथ लंबी अवधि के करार किए जाने के मद्देनजर यह पहल की जा रही है।

पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश में 8.4 लाख टन कार्बन ब्लैक का उत्पादन होने और करीब 9 लाख टन खपत होने का अनुमान है। उत्पादन में कमी की भरपाई आयात के जरिये की जाती है। हालांकि कार्बन ब्लैक की सालाना मांग 12.9 लाख टन है जबकि उद्योग महज 9.5 लाख टन का ही उत्पादन कर सकता है।

टेकसाइंस रिसर्च के अनुसार, भारत में कार्बन ब्लैक का बाजार 8.78 फीसदी सीएजीआर के साथ वृद्धि कर रहा है जो 2026 तक 200.31 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है। साल 2016 में कार्बन ब्लैक के बाजार का आकार 87.92 करोड़ डॉलर था।

बिक्री बढ़ने, लागत कुशलता, ऋण बोझ घटने और विशेषीकृत ब्लैक पर अधिक ध्यान केंद्रित किए जाने के कारण पीसीबीएल का समेकित शुद्ध लाभ 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के दौरान 234 फीसदी बढ़कर 2.30 अरब रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2016-17 में यह आंकड़ा 0.69 अरब रुपये रहा था।

उत्पादन बढ़ाने पर जोर

- पीसीबीएल तमिलनाडु के एन्नोर में 60 एकड़ क्षेत्र में एक नया संयंत्र भी स्थापित कर रही है जिसकी उत्पादन क्षमता 1.5 लाख टन होगी
- कंपनी 4.7 लाख टन की अपनी मौजूदा क्षमता को अगले दो साल में बढ़ाकर 7 लाख टन करने की तैयारी कर रही है